खबरों में रहे स्टॉक

बजाज फाइनैंस

मोहलत के दौरान एयूएम बुक घटकर जून में 15 फीसदी रही

₹3,109.05 पिछला बंद भाव
₹3,352.75 आज का बंद भाव
▲7.84 %

बंधन बैंक

सूक्ष्म बैंकिंग में वसूली की क्षमता बढ़कर 30 फीसदी हुई

₹356.95 पिछला बंद भाव
₹394.95 आज का बंद भाव
▲10.65 %

इंडियन होटल्स कंपनी

महाराष्ट्र ने कंटेनमेंट जोन से बाहर होटल खोलने की अनुमति दी

₹81.40 पिछला बंद भाव
₹85.05 आज का बंद भाव
▲4.48 %

जीएचसीएल

जून तिमाही में कम ऊर्जा लागत से बढ़ सकता है मार्जिन

₹146.20 पिछला बंद भाव
₹171.60 आज का बंद भाव
▲17.37 %

बॉश

एसऐंडपी बीएसई100 सूचकांक में सबसे अधिक चढ़ने वाला शेयर

₹12,040.10 पिछला बंद भाव
₹13,477.65 आज का बंद भाव
▲11.94 %

संक्षेप में

एआईआईबी ने एलऐंडटी इन्फ्रा को दिया कर्ज

एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक (एआईआईबी) ने देश में अक्षय ऊर्जा परियोजना की फंडिंग के लिए एलऐंडटी इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनैंस को कर्ज के पहले चरण के तहत 5 करोड़ डॉलर जारी कर दिया है। पेइचिंग का डेवलपमेंट बैंक स्थायी बुनियादी ढांचे में निवेश करता है और उसने एलऐंडटी फाइनैंस होल्डिंग्स की इकाई को कुल 10 करोड़ डॉलर का कर्ज आवंटित किया है। यह एआईआईबी का भारत के किसी एनबीएफसी को दिया गया पहला कर्ज है। कंपनी ने एक बयान में यह जानकारी दी। कर्ज की इस रकम का इस्तेमाल बड़ी व मध्यम आकार वाली भारतीय पवन व सौर बिजली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में उधारी के लिए किया जाएगा। *बीएस*

टाटा पावर ने पूरी की तीन जहाजों की बिक्री

टाटा पावर की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक ट्रस्ट एनर्जी रिसोर्सेस ने मंगलवार को अपने तीन जहाजों की बिक्री पूरी होने की घोषणा की। ये हैं एमवी ट्रस्ट एजिलिटी, एमवी ट्रस्ट इंटिग्रिटी और एमवी ट्रस्ट एमिटी। इनकी बिक्री 21.27 करोड़ डॉलर में ओल्डनड्रॉफ कैरियर्स जीएमबीएच ऐंड कंपनी, जर्मनी को किया गया। *बीएस*

दोगुना से अधिक बढ़ा सुजलॉन का घाटा

पवन ऊर्जा टरबाइन बनाने वाली कंपनी सुजलॉन एनर्जी का एकीकृत शुद्ध घाटा मार्च 2020 में समाप्त तिमाही के दौरान दोगुने से अधिक बढ़कर 834.22 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कमाई घटने और वित्तीय लागत बढ़ने के कारण कंपनी का घाटा बढ़ा है। एक साल पहले 31 मार्च 2019 को समाप्त चौथी तिमाही में कंपनी का घाटा 294.64 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी की परिचालन आय जनवरी से मार्च 2020 अवधि में घटकर 658.89 करोड़ रुपये रह गई जबकि एक साल पहले इसी अवधि में कंपनी ने 1,450.47 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। पूरे वित्त वर्ष 2019-20 में कंपनी का एकीकृत शुद्ध घाटा 2,691.84 करोड़ रुपये रहा जबकि एक साल पहले 2018-19 में यह घाटा 1,537.19 लाख करोड़ रुपये था। *भाषा*

बामर लॉरी एण्ड कं. लिमिटेड
(भारत सरकार का एक उद्यम)
एसबीयू: ग्रीसेस एंड लुब्रिकेंट्स
पी-43 हाइड रोड एक्सटेंशन, कोलकाता-700 088
पंजीकृत कार्यालय: 21, एन एस रोड, कोलकाता-700 001
सीआईएन: L15492WB1924GOI004835
वेबसाइट: www.balmerlawrie.com

सार्वजनिक निविदा सं. जीएलके/टीई20/042
तिथि: 08.07.2020;
नियत तिथि: 13.07.2020 अपराह्न 3.00 बजे
हमारे कोलकाता प्लांट के लिए
बैरल में मटन टैलो की आपूर्ति

बामर लॉरी एण्ड कं. लिमिटेड संक्षिप्त निविदा सूचना के माध्यम से हमारे कोलकाता प्लांट के लिए बैरल में मटन टैलो की आपूर्ति हेतु बोलीदाताओं को आमंत्रित करते हैं। विस्तारित विवरण सहित नियम एवं शर्तावली के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें तथा हमारे वेबसाइट: www.balmerlawrie.com एवं ई-प्रोक्यूरमेंट साइट: https://balmerlawrie.eproc.in देखें। किसी भी जानकारी के लिए कृपया फोन : 91-33-24500153; ईमेल: burman.p@balmerlawrie.com पर कनिष्ठ अधिकारी (एससीएम) के साथ सम्पर्क करें। इस निविदा की कोई भी शुद्धिपत्र केवलमात्र उल्लिखित वेबसाइटों पर उपलब्ध होगी।

हीरानंदानी का डिजिटल में दांव

समूह ने मुंबई में 1,000 करोड़ रुपये के निवेश से खोला हाइपर-स्केल डेटा सेंटर

पवन लाल
मुंबई, 7 जुलाई

हीरानंदानी समूह ने ऑनलाइन अर्थव्यवस्था में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित करने के लिए एक डिजिटल प्रौद्योगिकी उद्यम की स्थापना की है। समूह की इकाई योटा इन्फ्रास्ट्रक्चर ने आज मुंबई में अपना पहला हाइपर-स्केल डेटा सेंटर खोला।

चेयरमैन निरंजन हीरानंदानी ने कहा कि 1,000 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित यह केंद्र देश भर में परिचालन शुरू करने संबंधी योजना का हिस्सा है। उन्होंने कहा, 'इस वैश्विक महामारी के दौरान आत्मनिर्भरता कंपनियों के लिए एक नई वास्तविकता बनकर उभरी है। इसलिए वैश्विक एवं घरेलू कंपनियों के बीच निर्भरता पर नए सिरे से विचार करने की जरूरत है।'

डेटा भंडारण के लिए आत्मनिर्भरता एक अच्छा कारोबार साबित कर सकती है। अ मिलियन इनसाइट्स की रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक डेटा केंद्र नेटवर्किंग बाजार का आकार 2025 तक बढ़कर 41 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। वर्ष 2019 से 2025 के दौरान इसमें 11 फीसदी सीएजीआर से वृद्धि होने का अनुमान है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि विभिन्न उद्योगों में मौजूद अव्यवस्थित डेटा से वृद्धि को रफ्तार मिलेगी। इसके अलावा क्लाउड कंप्यूटिंग के बढ़ते उपयोग और एडवान्स्ड डेटा सेंटर के साथ परिचालन मॉडल का चलन बढ़ने से भी डेटा नेटवर्किंग बाजार में तेजी आएगी।

हीरानंदानी समूह का यह केंद्र मुंबई के पनवेलमें 20 एकड़ भूमि पर फैला है। उन्होंने कहा, 'अगले कुछ वर्षों के दौरान डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए हमने 3,500 करोड़ रुपये की व्यवस्था की है। हम दिल्ली, बेंगलूरु, हैदराबाद और कोलकाता के अलावा एपीएसी/पश्चिम एशिया के उभरते बाजारों में अवसर तलाशेंगे।'

गार्टनर के वरिष्ठ निदेशक नवीन मिश्रा ने कहा, 'इस कारोबार के लिए वृद्धि का अनुमान 3 से 5 वर्षों में 35 फीसदी सीएजीआर के दायरे में है।' उन्होंने कहा, 'कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण क्लाउड और डिजिटल प्रौद्योगिकी की उपयोगिता बढ़ी है जिसमें हाइपर-स्केलरों को काफी फायदा होगा क्योंकि आईटी खर्च में गिरावट आ रही है लेकिन क्लाउड कारोबार में दो अंकों की वृद्धि जारी रहेगी।' हाइपर-स्केल डेटा सेंटर कारोबार में मौजूदा कंपनियों में गूगल और एमेजॉन जैसी प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियां शामिल हैं। इन कंपनियों ने सामान्य कंपनियों के मुकाबले बड़े पैमाने पर डेटा भंडारण के लिए डेटा सेंटर स्थापित किए हैं।

ग्रांट थॉर्टन इंडिया के पार्टनर राजा लाहिड़ी ने कहा, 'चूंकि अर्थव्यवस्था ज्यादा से ज्यादा डिजिटल हो गई है। ऐसे में डेटा भंडारण में व्यापक अवसर दिखेंगे।' उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में कई कंपनियों मौजूद हैं जैसे कंट्रोलएस, नेक्स्टजेन और एनटीटी जो स्वतंत्र हैं और विशेषीकृत डेटा सेंटर फर्म हैं।

हीरानंदानी का नया उद्यम सही वक्त पर आया है लेकिन उसे अंतरराष्ट्रीय कंपनियों और देसी दिग्गजों जैसे अदाणी समूह से तगड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा।

डेटा सेंटर

- हीरानंदानी ने कहा, अगले कुछ वर्षों के दौरान डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए हमने 3,500 करोड़ रुपये की व्यवस्था की है
- कंपनी दिल्ली, बेंगलूरु, हैदराबाद और कोलकाता के अलावा एपीएसी/पश्चिम एशिया के उभरते बाजारों में अवसर तलाशेगी

सामग्री के लिए भुगतान करे ग्राहक: उदय शंकर

बीएस संवाददाता/एजेंसियां
मुंबई, 7 जुलाई

मीडिया कारोबारियों ने सामग्री के बजाय विज्ञापन को प्राथमिकता दी है और विज्ञापन निर्भरता के कारण उद्योग को तगड़ा झटका लग सकता है।

वॉल्ट डिज्नी कंपनी के अध्यक्ष (एशिया प्रशांत) और स्टार एवं डिज्नी के चेयरमैन उदय शंकर ने उद्योग संगठन फिक्की द्वारा आयोजित एक वर्चुअल सम्मेलन में यह बात कही। उन्होंने कहा कि इस स्थिति में बदलान लाने की जरूरत है। इसके लिए आवश्यक है कि उपभोक्ता सामग्री या कंटेंट के लिए भुगतान करें।

शंकर ने कहा कि मीडिया उद्योग में दूरदर्शिता की कमी की वजह यह है कि बरसों से यह काफी हद तक विज्ञापनों पर कुछ अधिक निर्भर रहा है। शंकर ने फिक्की फ्रेम्स के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, उद्योग के लिए विशेष रूप से प्रिंट, टीवी और अब डिजिटल के लिए सबसे बड़ा अभिशाप विज्ञापन पर कुछ जरूरत से ज्यादा निर्भरता है। उन्होंने कहा कि आज यह उद्योग बढ़कर 20 अरब डॉलर का हो गया है। इसमें से 10 अरब डॉलर के राजस्व का योगदान अकेले विज्ञापन का है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर मीडिया उद्योग उपभोक्ताओं के साथ अपने संबंधों के बल पर आगे बढ़ा है।

शंकर ने स्पष्ट शब्दों में अपनी बात रखते हुए कहा, हम सभी इसके लिए दोषी हैं। हमने दूरदर्शिता नहीं दिखाई, हमने अपने उत्पाद पर सब्सिडी लेने का प्रयास किया और छोटी चुनौतियों के लिए अड़चनें खड़ी कीं। उन्होंने कहा, यदि हमें उद्योग को अगले स्तर पर ले जाना है तो एक चीज निश्चित रूप से करने की जरूरत है। वह है, उपभोक्ता जो इस्तेमाल करें, उसके लिए भुगतान करें। इसके लिए हमें अपनी क्षमता का इस्तेमाल करना होगा और इच्छाशक्ति दिखानी होगी। उन्होंने कहा कि वह उद्योग की लॉबी से जुड़े हुए हैं और देखा है कि पिछले कुछ साल में चीजें काफी बदल गई हैं।

शंकर ने कहा कि इस साल कोविड-19 की वजह से उद्योग को बड़ा झटका लगेगा। विज्ञापन पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता से इसका प्रभाव और अधिक कष्ट देने वाला होगा।

कोविड वैश्विक महामारी के दौर में भी लाभप्रद हुई इंस्टामोजो

समरीन अहमद
बेंगलूरु, 7 जुलाई

भुगतान सेवा स्टार्टअप इंस्टामोजो के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्याधिकारी संपद स्वैन खुद को काफी भाग्यशाली समझ रहे होंगे क्योंकि 2012 में स्थापित उनकी कंपनी को बार-बार फिसलने के बाद निवेशकों ने सहारा दिया है। उनकी कंपनी पहले तीन बार बंद हो चुकी थी लेकिन निवेशकों ने उसे हमेशा बचा लिया।

मौजूदा कोविड वैश्विक महामारी के कारण कंपनी के प्रदर्शन पर सवालिया निशान लग रहा था लेकिन इस दौरान उसका कायापलट हो गया। कलारी कैपिटल और ब्लूम वेंचर्स के निवेश वाली इस कंपनी ने जून में लाभप्रद होने का दावा किया है। नए उत्पादों के लॉन्च और लगभग शून्य नकदी खर्च के कारण कंपनी के प्रदर्शन को बल मिला।स्वैन ने कहा, 'हमने देखा है कि यात्रा को छोड़कर सभी श्रेणियों में हमारे प्लेटफॉर्म पर लेनदेन में 20 से 30 फीसदी का इजाफा हुआ है।' कंपनी का कहना है कि पिछले 90 दिनों के दौरान उसके प्लेटफॉर्म पर फूड रिटेल श्रेणी के लेनदेन में 4.5 गुना इजाफा हुआ जबकि एडटेक क्षेत्र के लेनदेन में दोगुना बढ़ोतरी हुई। इसी प्रकार, वित्तीय सेवा और बी2बी ई-कॉमर्स श्रेणी में भी दोगुना बढ़त दर्ज की गई।

कोविड वैश्विक महामारी के कारण पैदा हुई परिस्थितियों ने छोटे कारोबारियों को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिये बिक्री शुरू करने के लिए मजबूर किया है। गुड़गांव की कंपनी गेटमीअशॉप के अधिग्रहण से इंस्टामोजो को काफी फायदा हुआ। गेटमीअशॉप छोटे व्यापारियों को ऑनलाइन होने में मदद करती है जो अब रोजाना करीब 1,500 व्यापारियों को अपने प्लेटफॉर्म से जोड़ रही है और इसके लिए उसे कोई नकदी खर्च भी नहीं करना पड़ रहा है।स्वैन ने दावा किया है कि बेंगलूरु की इस कंपनी ने लॉकडाउन शुरू होने के बाद से अब तक करीब डेढ़ लाख छोटे कारोबारियों और दुकानदारों को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से जोड़ चुकी है और इस प्रकार कुल संख्या 13 लाख तक पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा, 'कोविड से पहले हम अधिग्रहण पर खर्च करते थे लेकिन पिछले तीन महीने से हमने खर्च वाले सभी अभियानों को छोड़ दिया है। अब हम शून्य ग्राहक अधिग्रहण लागत वाले मॉडल पर चल रहे हैं।'

'कारोबार पर नहीं पड़ेगा महामारी का ज्यादा असर'

अमृता पिल्लई
मुंबई, 7 जुलाई

टाटा पावर को उम्मीद है कि कोविड-19 का उसके कारोबार पर बहुत ज्यादा असर नहीं पड़ेगा, लेकिन उसकी कोयला खनन कंपनियों पर इसका असर दिख सकता है। मंगलवार को जारी कंपनी का सालाना रिपोर्ट में ये बातें कही गई है। कंपनी ने कहा कि उसकी मुंद्रा कैश जेनरेटिंग यूनिट (सीजीयू) की रिकवरी की क्षमता अप्रभावित बनी रहेगी। अपनी सालाना रिपोर्ट में कंपनी ने यह भी कहा कि वह ताप विद्युत में किसी तरह का विस्तार शुरू नहीं करेगी और भारतीय व अंतरराष्ट्रीय बाजारों में वितरण कारोबार में विकल्प तलाशेगी और पारेषण परिसंपत्तियों का अधिग्रहण करेगी।

टाटा पावर ने एक रिपोर्ट में कहा, यह मानते हुए कि बिजली आपूर्ति आवश्यक सेवा है, प्रबंधन का मानना है कि कंपनी, उसकी सहायकों, संयुक्त उद्यमों और एसोसिएट्स के कारोबार पर इस महामारी का बहुत ज्यादा असर नहीं पड़ा है। हालांकि उसकी कोयला खदान कंपनियों के भविष्य के प्रदर्शन पर कोविड-19 की अनिश्चितता का असर हो सकता है।

अनएकेडमी ने किया एडटेक स्टार्टअप प्रेपलैडर का अधिग्रहण

समरीन अहमद
बेंगलूरु, 7 जुलाई

फेसबुक के निवेश वाले एडटेक स्टार्टअप अनएकेडमी ने विलय-अधिग्रहण के जरिये बाजार में अपनी स्थिति सुदृढ़ करने के उद्देश्य से स्नातकोत्तर मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी कराने वाले प्लेटफॉर्म प्रेपलैडर का अधिग्रहण 5 करोड़ डॉलर में किया है। बेंगलूरु की इस कंपनी का यह इस साल का तीसरा अधिग्रहण है।इससे पहले वह प्रोग्रामिंग प्लेटफॉर्म कोडशेफ और परीक्षा की तैयारी कराने वाले स्टार्टअप क्रिएटरिक्स का अधिग्रहण किया था।

अनएकेडमी के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्याधिकारी गौरव मुंजाल ने कहा कि अपने दम पर विस्तार (ऑर्गेनिक ग्रोथ) विस्तार कंपनी की प्रमुख वृद्धि रणनीति बरकरार रहेगी। उन्होंने कहा, 'यदि हमें और अधिक ऐसे लोग मिलेंगे जो अनएकेडमी के मिशन के अनुरूप बेहतर सामग्री तैयार करते हों तो हम उनके साथ साझेदारी करने की संभावनाएं तलाशेंगे।'

चंडीगढ़ के एडटेक स्टार्टअप प्रेपलैडर की स्थापना 2016 में तीन डॉक्टरों- दीपांशु गोयल, वितुल गोयल और साहिल गोयल- ने मिलकर की थी। इसका उद्देश्य देश में स्नातकोत्तर मेडिकल प्रवेश परीक्षा के लिए तैयारी करने वाले छात्रों को सस्ती एवं गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करना है। फिलहाल इसके एजुकेटर करीब 85,000 सक्रिय सब्सक्राइबरों को पढ़ा रहे हैं।

प्रेपलैडर के सह-संस्थापक दीपांशु गोयल ने कहा, 'हमारा उद्देश्य आपके इलाके में एक मेडिकल कॉलेज खोलना है। हम स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के सभी कार्यों के लिए सेवाएं उपलब्ध करना और डॉक्टरों को बेहतर क्लीनिकल निर्णय लेने में मदद करना चाहते हैं।'

पिछले तीन महीनों के दौरान कोविड के कारण पैदा हुई परिस्थिति ने एडटेक क्षेत्र को एक नई ऊंचाई दी है और लोगों की पसंद में तेजी से बदलाव हो रहा है। रेडसीर के आंकड़ों के अनुसार, इस क्षेत्र का आकार अगले दो वर्षों में मौजूदा 0.7 अरब डॉलर से बढ़कर 3.5 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।कोविड वैश्विक महामारी का प्रकोप शुरू होने के बाद पिछले तीन महीनों के दौरान अनएकेडमी के भुगतान वाले सब्सक्राइबरों की संख्या में 100 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है।

HDFC BANK
We understand your world

प्रधान कार्यालय : एचडीएफसी बैंक हाउस, सेनापती बापट मार्ग, लोवर परेल (पश्चिम) मुम्बई - 400 013
क्षेत्रीय कार्यालय : एचडीएफसी बैंक लि., डिपार्टमेंट फॉर स्पेशल ऑपरेशन्स, सावित्री, 597-3/2, जी.सी.एफ. रोड, सिविल लाईन, जबलपुर (म.प्र.) - 482001.

ई-नीलामी विक्रय सूचना

अचल संपत्तियों की ई-नीलामी बिक्री हेतु सार्वजनिक सूचना

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 8(6) के प्रावधान के साथ पठित वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत बैंक को बंधक अचल परिसंपत्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी की बिक्री सूचना।

जैसा कि, वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुर्ननिर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के अंतर्गत जारी मांग सूचना के अनुपालन में बैंक के बकाए नीचे वर्णित ब्याज की वसूली के लिए उसकी बिक्री करने के अधिकार के साथ एचडीएफसी बैंक के प्राधिकृत अधिकारी के रुप में अधोहस्ताक्षरी ने निम्नलिखित ऋण खाताओं में निम्नलिखित संपत्तियों का भौतिक अधिग्रहण कर लिया है तथा ऋणी(यों)/बंधककर्ता(ओं)/जमानतदार(रों) द्वारा उसके भुगतान में विफलता के बाद उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बैंक के बकाया की वसूली के लिए अधोहस्ताक्षरी **''जैसा है जहां है, जो भी वहां है तथा बिना सहारा के आधार पर''** उसकी बिक्री का प्रस्ताव करते हैं। नीचें दी गई संपत्तियों की बिक्री ई-नीलामी के माध्यम से वेब पोर्टल **https://www.bankeauctions.com** पर आयोजित की जावेगी।

अचल संपत्तियों का विवरण/ खाते/ राशि/ ईएमडी/ इत्यादी का विवरण

क्र.	शाखा एवं खाता का नाम	संपत्ति के बंधककर्ता एवं जमानतदारों के नाम	समान बंधक संपत्ति का विवरण	मांग सूचना के अनुसार राशि / मांग सूचना दिनांक	निरिक्षण की तिथी एवं समय	आरक्षित मूल्य / ईएमडी / बोली बढ़ाने की राशि	ई-नीलामी की तिथी/समय	बोली प्राप्ती हेतु अंतिम तिथी	प्राधिकृत अधिकारी का नाम/ फोन नं./ ई-मेल आईडी
1.	**शाखा –** शुजालपुर एवं **मेसर्स रतनदीप ट्रेडर्स**	**श्री सचिन जैन, श्रीमती जयश्री महेश जैन एवं श्री अभिषेक महेश जैन**	प्लाट नं. 103, भूमि सर्वे नं. 1966/3 का भाग, प्रेम नगर कॉलोनी, जटा शंकर रोड, वार्ड नं. 14, शुजालपुर, जिला-शाजापुर (म.प्र.) स्थित आवासीय संपत्ति। संपत्ति मालिक : श्रीमती जयश्री जैन	रु. 17,20,171.00 दिनांक 03/12/2016	21/07/2020 एवं समय- प्रात: 10.00 बजे के बाद	Rs. 13,00,000/- Rs. 1,30,000/- Rs. 10,000/-	27/08/2020 प्रात: 11 बजे से दोपहर 01 बजे तक	20/08/2020 सायं 4 बजे तक	आशिष रावत मो. 9981126266 Ashish.rawat9@hdfcbank.com
2.	**शाखा –** शुजालपुर एवं **मेसर्स कृष्णा ट्रेडिंग कंपनी**	**श्री लघु कुमार विजयवर्गीय, श्री अशोक कुमार, श्री मोहनलाल एवं श्री गोविन्द विजयवर्गीय**	रेवेन्यु सर्वे नं. 190/41/मिन-5 की एक भूमि, उसपर निर्मित मकान के साथ, भूमि क्षेत्रफल 0.013 हेक्टेयर अथवा 1425 वर्गफीट में शामिल, बृज नगर कॉलोनी, वार्ड नं. 12, शुजालपुर मण्डी, ग्राम कामल्या, आर.एन.एम., शुजालपुर, जिला-शाजापुर, मध्यप्रदेश - 465333 स्थित। संपत्ति मालिक : श्री लघु कुमार विजयवर्गीय, श्री अशोक कुमार, श्री मोहनलाल एवं श्री गोविन्द विजयवर्गीय	रु. 27,19,706.36 दिनांक 16/02/2017	21/07/2020 एवं समय- प्रात: 10.00 बजे के बाद	Rs. 13,77,000/- Rs. 1,37,000/- Rs. 10,000/-	27/08/2020 प्रात: 11 बजे से दोपहर 01 बजे तक	20/08/2020 सायं 4 बजे तक	आशिष रावत मो. 9981126266 Ashish.rawat9@hdfcbank.com

नियम एवं शर्ते

1. ई-नीलामी **''जैसा है जहां है, जो भी वहां है तथा बिना सहारा के आधार पर''** आयोजित की जा रही है।
2. इच्छुक बोलीदाता को लागिन आईडी एवं पासवर्ड के माध्यम से वेबपोर्टल **https://www.bankeauctions.com** पर ईएमडी के विवरणों तथा दस्तावेजों को जमा करना होगा (यूजर आईडी तथा पासवर्ड **https://www.bankeauctions.com** पर नाम पंजीकृत कर नि:शुल्क प्राप्त किया जा सकता है) ईएमडी का भुगतान अधोलिखित खाता नं.: 02400930000063, खाता का नाम : FUNDS TO BE CLEARED : DOC SERV, लाभार्थी का नाम : एचडीएफसी बैंक लि., आईएफएससी कोड : HDFC0000240 में एनईएफटी/आरटीजीएस द्वारा करना होगा। कृपया ध्यान दें कि चेक/डिमांड डाफ्ट ईएमडी राशि के रुप में स्वीकार नहीं किए जायेंगे।
3. प्राधिकृत अधिकारी की सर्वश्रेष्ठ जानकारी में बैंक के रिकॉर्ड अनुसार संपत्ति पर कोई भार अर्थात संविधिक बकाया जैसे संपत्ति कर, सोसायटी बकाया आदि नहीं है। फिर भी बैंक, आदि कोई हो किसी भी वर्तमान/भूतकाल/भविष्य बकाया असंविधिक बकाया/संविधिक बकाया/अधिभारों/करों के बकाए के लिए उत्तरदायी नहीं होगा। इच्छुक बोलीदाता अधिभारों, संपत्ति/यों के टाइटल के विषय में अपनी स्वतंत्र जांच कर स्वयं को संतुष्ट कर लें। **संपत्ति का निरिक्षण उपर वर्णित तिथी एवं समय में ही किया जा सकता है।**
4. ईएमडी जमा किए होने वाले इच्छुक बोलीदाताओं जिन्हे लॉगीन आईडी एवं पासवर्ड बनाने, डेटा अपलोड करने, बोली जमा करने, ई-नीलामी प्रक्रिया पर प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए सहयोग अपेक्षित हो, वे हमारे सेवा प्रदाता **मे. सी 1 इंडिया प्रा. लि., प्लाट नं. 301, गल्फ पेट्रोकेम बिल्डिंग, उद्योग विहार, फेज-2, गुड़गांव, हेल्पलाईन नं. 0124-4302020/ 21/22/23/24, श्री दानिश खान, मोबाईल : 09826804343, 09111444797 एवं श्री हरीश गोवडा मो.: 09594597555,** हेल्पलाईन ई-मेल आईडी : **support@bankeauctions.com** से संपर्क करें तथा संपत्ति संबंधि पूछताछ के लिए उपरोक्त संबंधित प्राधिकृत अधिकारी से कार्यालय अवधि (प्रात: 10.00 बजे से सायं 5.00 बजे) के दौरान कार्यदिवसों को संपर्क करें।
5. उच्चतम बोली एचडीएफसी बैंक लिमिटेड की स्वीकृती के अधीन होगी। प्राधिकृत अधिकारी को उसका कोई भी कारण बताए बिना प्राप्त किए गए किसी भी प्रस्तावों/बोलियों को स्वीकार/निरस्त करने का अधिकार है। उनका निर्णय अंतिम तथा मान्य होगा।
6. **(विस्तृत नियमों एवं शर्तो के लिए कृपया हमारी वेबसाईट www.hdfcbank.com तथा www.bankeauctions.com देखें)**

सरफेसी अधिनियम, 2002 के नियम 8(6) के तहत सांविधिक 30 दिनी बिक्री सूचना

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6)/नियम 9(1) के अंतर्गत ऋणियों एवं जमानतदारों को उपर लिखी गयी तिथि पर ई-नीलामी करने की सूचना के रुप में भी समझा जाएगा। ऋणी/जमानतदारों/बंधककर्ताओं को एतद्वारा नीलामी से 30 दिन पूर्व उपरोक्त अनुसार अद्यतन ब्याज और सहायक व्ययों सहित भुगतान करने के लिए अधिसूचित किया जाता है, अन्यथा संपत्ति की नीलामी/बिक्री की जायेगी और बकाया देय राशि यदि कोई हो, की वसूली ब्याज और लागत सहित की जायेगी।

प्राधिकृत अधिकारी
एचडीएफसी बैंक लिमिटेड

दिनांक : 07/07/2020, स्थान : जबलपुर, मध्य प्रदेश

चीनी आयात पर रोक से सौर परियोजनाएं होंगी महंगी

उज्ज्वल जौहरी
मुंबई, 7 जुलाई

भारत और चीन के बीच गतिरोध को कई उद्योग एवं बाजार विशेष घरेलू बिजली उपकरण विनिर्माताओं और पूंजीगत वस्तु कंपनियों के लिए एक अवसर के तौर पर देख रहे हैं। आयात कम करने और चीन पर निर्भरता घटाने से भारत में बिजली उपकरण बनाने वाली कंपनियों के लिए संभावनाएं बढ़ सकती हैं। यही कारण है कि एबीबी, सीमेंस, लार्सन ऐंड टुब्रो, थर्मेक्स आदि कंपनियों के शेयरों में जून के निचले स्तर के बाद 25 फीसदी तक की उल्लेखनीय बढ़त दर्ज की गई है।

हालांकि विशेषज्ञों ने सतर्क रुख अपनाया है। उनका कहना है कि भले ही इससे घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में चीन की कंपनियों को टक्कर देने के लिहाज से घरेलू कंपनियों के लिए क्षमता बढ़ाने के अवसर खुलेंगे लेकिन जहां तक उपकरणों और कलपुर्जों के आयात का सवाल है तो कुछ क्षेत्रों में अभी सीमित विकल्प हैं। ऐसे में आयात को अचानक बंद कर देने से व्यवधान पैदा हो सकता है। वित्त वर्ष 2010 के बाद भारत में स्थापित ताप बिजली परियोजनाओं में चीनी बॉयलर, टरबाइन और जेनेरेटर (बीटीजी) उपकरणों की हिस्सेदारी में उल्लेखनीय इजाफा हुआ। इसका मुख्य कारण यह था कि चीनी उपकरण सस्ते थे और घरेलू कंपनियों के पास बीटीजी उत्पादन की सीमित क्षमता थी। हालांकि ताप विद्युत क्षमता बढ़ाने का दौर अब खत्म हो चुका है और बीएचईएल, एलऐंडटी आदि कंपनियों की मौजूदा क्षमता घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। इसलिए विशेषज्ञों का मानना है कि इस क्षेत्र में आयात पर आसानी से रोक लगाई जा सकती है। विश्लेषकों का कहना है कि चीन से बिजली उपकरणों का आयात घरेलू उद्योग का करीब 10 फीसदी है और आयात को घटाया जा सकता है लेकिन शुरू में लागत थोड़ बढ़ सकती है। चीन के उपकरण घरेलू उपकरण के मुकाबले सस्ते हैं जबकि अन्य देशों से सोर्सिंग करने पर लॉजिस्टिक लागत बढ़ेगी।

बिज़नेस स्टैंडर्ड
भोपाल संस्करण

बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटिड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक नंदन सिंह रावत द्वारा नई दुनिया न्यूज़ ऐंड नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड, 23/4-23/5, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, सेक्टर-डी, सीपेट हॉस्टल के पास, भोपाल, म.प्र. 462011 से मुद्रित एवं मानव निकेत, प्रथम तल, प्लॉट नं. 30, इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स, एम पी नगर, ज़ोन-1, भोपाल, म.प्र. 462011 से प्रकाशित
संपादक: कैलाश नौटियाल

आरएनआई न० MPHIN/2008/24603
पाठक संपादक को lettershindi@bsmail.in पर संदेश भेज सकते हैं।
टेलीफोन- 0755-4064605-7 फैक्स -0755-4064670
सब्सक्रिप्शन और सर्कुलेशन के लिए कृपया सम्पर्क करें..
सुश्री मानसी सिंह
हेड कस्टमर रिलेशन्स
बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड, एच/4 एवं आई/3, बिल्डिंग एच, पैरागन सेंटर, बिड़ला सेंचुरियन के सामने, पी बी मार्ग, वर्ली, मुंबई-400013
ई मेल.. subs_bs@bsmail.in
या 57007 पर एसएमएस करें SUB BS

डिस्क्लेमर.. बिजनेस स्टैंडर्ड में प्रकाशित समाचार रिपोर्ट और फीचर लेखों के माध्यम से बाजारों, कॉर्पोरेट जगत और सरकार से जुड़ी घटनाओं की निष्पक्ष तस्वीर पेश करने का प्रयास किया जाता है। बिजनेस स्टैंडर्ड के नियंत्रण एवं जानकारी से परे परिस्थितियों के कारण वास्तविक घटनाक्रम भिन्न हो सकते हैं। समाचार पत्र में प्रकाशित रिपोर्टों के आधार पर पाठकों द्वारा किए जाने वाले निवेश और लिए जाने वाले कारोबारी निर्णयों के लिए बिजनेस स्टैंडर्ड कोई जिम्मेदारी नहीं लेता है। पाठकों से स्वयं निर्णय लेने की अपेक्षा की जाती है। बिजनेस स्टैंडर्ड के सभी विज्ञापन सद्भाव में स्वीकार किए जाते हैं। इनके साथ बिजनेस स्टैंडर्ड न तो जुड़ा हुआ है और न ही उनका समर्थन करता है। विज्ञापनों से संबंधित किसी भी प्रकार का दावा संबंधित विज्ञापनदाता से ही किया जाना चाहिए।
मै0 बिजनेस स्टैंडर्ड प्रा0 लि0 का सर्वाधिकार सुरक्षित है। बिजनेस स्टैंडर्ड प्रा0 लि0 से लिखित अनुमति लिए बगैर समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी सामग्री का किसी भी तरह प्रकाशन या प्रसारण निषिद्ध है। किसी भी व्यक्ति या वैधानिक निकाय द्वारा इस तरह का निषिद्ध एवं अनधिकृत कार्य करने पर दीवानी और फौजदारी कार्यवाही शुरू की जाएगी।
कोई हवाई अधिभार नहीं